हिंदी पाठ - 15 (नौकर)
कक्षा - छः

प्रश्न
उ० आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने गेहूँ बीनने का काम करवाया उन्हें अपने अंग्रेजी ज्ञान पर बड़ा गर्व था। बातचीत के अंत में उन्होंने गाँधी जी से कोई कार्य माँगा चूंकि उन्हें लगा की वे उन्हें पढ़ने - लिखने सम्बंधित कार्य देंगे परन्तु गाँधी जी ने उनकी मंशा को भांपते हुए उन्हें गेहूँ बीनने का कार्य सौंप दिया।

प्र०2
उ० जब वे बैरिस्टरी से हजारों रुपए कमाते थे उस समय भी वे प्रतिदिन सुबह खुद चक्की पर आटा पीसा करते थे।
1. आश्रम में वे सब्जियाँ छिलने का काम करते थे।
2. आश्रम के नियमानुसार सभी लोगों को मिल-बाँटकर बर्तन साफ करना पड़ता था। एक बार उन्होंने बर्तनों की सफाई खुद की।

प्र० 3
उ० लंदन में भोज पर बुलाए जाने पर गाँधी जी ने वहाँ तश्तरियाँ धोने, सब्जियाँ साफ करने और अन्य छूट-पुट काम करने में छात्रों की मदद की।

प्र०4
गाँधी जी श्रीमती पोलक के बच्चे का दूध छुड़वाने के लिए बच्चे को माँ से दूर अपने बिस्तर पर सुलाते थे। वह चारपाई के पास एक बरतन में पानी भरकर रख लेते बच्चे को प्यास लगे तो उसे पिला देते। एक पखवाड़े तक माँ से अलग सुलाने के बाद बच्चे ने माँ का दूध छोड़ दिया।

प्र०5
उ० गाँधी जी अपना काम स्वयं करते थे और दूसरों के काम करवाने में सख्ती भी बरतते थे। बापू जी को काम करता देख उनके अनुयायी भी उनका अनुकरण कर कार्य करने लगते थे। इस प्रकार गाँधी जी स्वयं के उदाहरण द्वारा लोगों को काम करने की प्रेरणा देते थे।